

# UGC NET Paper 1 2009 June

## www.Fillerform.info

---

### Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

## Unit 3(Home work)Hindi/Eng-21 with ans

---

#### **Read the following passage and answer the questions 11 to 15:**

While the British rule in India was detrimental to the economic development of the country, it did help in starting of the process of modernizing Indian society and formed several progressive institutions during that process. One of the most beneficial institutions, which were initiated by the British, was democracy. Nobody can dispute that despite its many shortcomings; democracy was and is far better alternative to the arbitrary rule of the rajas and nawabs, which prevailed in India in the pre-British days.

However, one of the harmful traditions of British democracy inherited by India was that of conflict instead of cooperation between elected members. This was its essential feature. The party, which got the support of the majority of elected members, formed the Government while the others constituted a standing opposition. The existence of the opposition to those in power was and is regarded as a hallmark of democracy.

In principle, democracy consists of rule by the people; but where direct rule is not possible, it's rule by persons elected by the people. It is natural that there would be some differences of opinion among the elected members as in the rest of the society.

Normally, members of any organizations have differences of opinion between themselves on different issues but they manage to work on the basis of a consensus and they do not normally form a division between some who are in majority and are placed in power, while treating the others as in opposition.

The members of an organization usually work on consensus. Consensus simply means that after an adequate discussion, members agree that the majority opinion may prevail for the time being. Thus persons who form a majority on one issue and whose opinion is allowed to prevail may not be on the same side if there is a difference on some other issue.

It was largely by accident that instead of this normal procedure, a two party system came to prevail in Britain and that is now being generally taken as the best method of democratic rule.

Many democratically inclined persons in India regret that such a two party system was not brought about in the country. It appears that to have two parties in India – of more or less equal strength - is a virtual impossibility. Those who regret the absence of a two-party system should take the reasons into consideration.

When the two party system got established in Britain, there were two groups among the rulers (consisting of a limited electorate) who had the same economic interests among themselves and who therefore formed two groups within the selected members of Parliament.

There were members of the British aristocracy (which landed interests and consisting of lord, barons etc) and members of the new commercial class consisting of merchants and artisans. These groups were more or less of equal strength and they were able to establish their separate rule at different times.

Answer the following questions:

11. In pre-British period, when India was ruled by the independent rulers:

- (A) Peace and prosperity prevailed in the society
- (B) People were isolated from political affairs
- (C) Public opinion was inevitable for policy making
- (D) Law was equal for one and all

**Answer:** (B)

12. What is the distinguishing feature of the democracy practiced in Britain?

- (A) End to the rule of might is right.
- (B) Rule of the people, by the people and for the people.
- (C) It has stood the test of time.
- (D) Cooperation between elected members.

**Answer:** (B)

13. Democracy is practiced where:

- (A) Elected members form a uniform opinion regarding policy matter.
- (B) Opposition is more powerful than the ruling combine.
- (C) Representatives of masses.
- (D) None of these.

**Answer:** (B)

14. Which of the following is true about the British rule in India?

- (A) It was behind the modernization of the Indian society.
- (B) India gained economically during that period.
- (C) Various establishments were formed for the purpose of progress.
- (D) None of these.

**Answer:** (A)

15. Who became the members of the new commercial class during that time?

- (A) British Aristocrats
- (B) Lord and barons
- (C) Political Persons
- (D) Merchants and artisans

**Answer:** (D)

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और 11 से 15 प्रश्नों के उत्तर दें:**

जबकि भारत में ब्रिटिश शासन देश के आर्थिक विकास के लिए हानिकारक था, इसने भारतीय समाज के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को शुरू करने में मदद की और उस प्रक्रिया के दौरान कई प्रगतिशील संस्थानों का गठन किया। सबसे फायदेमंद संस्थानों में से एक, जो अंग्रेजों

द्वारा शुरू किया गया था, लोकतंत्र था। कोई भी विवाद नहीं कर सकता है कि इसकी कई कमियों के बावजूद; प्रजातंत्र राजसत्ता और नवार्बों के मनमाने शासन का बेहतर विकल्प था, जो भारत में अंग्रेजों के समय से चला आ रहा था।

हालांकि, भारत द्वारा विरासत में मिली ब्रिटिश लोकतंत्र की हानिकारक परंपराओं में से एक निर्वाचित सदस्यों के बीच सहयोग के बजाय संघर्ष था। यह इसकी आवश्यक विशेषता थी। पार्टी, जिसे अधिकांश निर्वाचित सदस्यों का समर्थन मिला, ने सरकार बनाई, जबकि अन्य ने एक स्थायी विपक्ष का गठन किया। सत्ता में उन लोगों के विरोध का अस्तित्व लोकतंत्र की पहचान के रूप में था।

सिद्धांत रूप में, लोकतंत्र में लोगों द्वारा शासन होता है; लेकिन जहां प्रत्यक्ष शासन संभव नहीं है, यह लोगों द्वारा चुने गए व्यक्तियों द्वारा शासित है। यह स्वाभाविक है कि निर्वाचित सदस्यों के बीच शेष समाज की तरह कुछ मतभेद होंगे।

आम तौर पर, किसी भी संगठन के सदस्यों में विभिन्न मुद्दों पर आपस में मतभेद होते हैं, लेकिन वे आम सहमति के आधार पर काम करने का प्रबंधन करते हैं और वे आम तौर पर कुछ के बीच विभाजन नहीं बनाते हैं जो बहुमत में होते हैं और सत्ता में रहते हैं, जबकि दूसरों का इलाज करते हैं विपक्ष में हैं।

एक संगठन के सदस्य आम तौर पर आम सहमति पर काम करते हैं। आम सहमति का मतलब है कि पर्याप्त चर्चा के बाद, सदस्य इस बात पर सहमत होते हैं कि बहुमत की राय समय के लिए प्रबल हो सकती है। इस प्रकार जो लोग एक मुद्दे पर बहुमत बनाते हैं और जिनकी राय को लागू करने की अनुमति दी जाती है, हो सकता है कि किसी अन्य मुद्दे पर अंतर न हो।

यह काफी हद तक दुर्घटना के कारण था कि इस सामान्य प्रक्रिया के बजाय, एक दो पार्टी प्रणाली ब्रिटेन में प्रचलित हुई और जिसे अब आम तौर पर लोकतांत्रिक शासन की सबसे अच्छी विधि के रूप में लिया जा रहा है।

भारत में कई लोकतांत्रिक व्यक्तियों ने खेद व्यक्त किया कि देश में इस तरह की दो पार्टी प्रणाली नहीं लाई गई। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत में दो दलों का होना - कम या ज्यादा समान शक्ति का होना - *av i rtual impossibility* है। दो-पक्षीय प्रणाली की अनुपस्थिति पर पछतावा करने वालों को कारणों को ध्यान में रखना चाहिए।

जब ब्रिटेन में दो पार्टी प्रणाली स्थापित हुई, तो नियमों के बीच दो समूह थे (एक सीमित मतदाताओं से मिलकर) जिनके बीच समान आर्थिक हित थे और जिन्होंने संसद के चयनित सदस्यों के भीतर दो समूह बनाए।

ब्रिटिश अभिजात वर्ग के सदस्य थे (जो हितों और स्वामी, बैरनों आदि से जुड़े थे) और नए वाणिज्यिक वर्ग के सदस्य जिनमें व्यापारी और कारीगर शामिल थे। ये समूह कमोबेश समान ताकत के थे और वे अलग-अलग समय में अपना अलग शासन स्थापित करने में सक्षम थे।

निम्नलिखित सवालों का जवाब दें:

11. पूर्व-ब्रिटिश काल में, जब भारत पर स्वतंत्र शासकों का शासन था:

- (ए) समाज में शांति और समृद्धि कायम रही
- (B) लोग राजनीतिक मामलों से अलग-थलग थे
- (ग) नीति बनाने के लिए जनता की राय अपरिहार्य थी
- (घ) कानून एक और सभी के लिए समान था

**उत्तर:** (बी)

12. ब्रिटेन में प्रचलित लोकतंत्र की विशिष्ट विशेषता क्या है?

- (ए) हो सकता है शासन का अंत सही हो।
- (बी) लोगों द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के लिए नियम।
- (ग) यह समय की कसौटी पर खरा उतरा है।
- (घ) निर्वाचित सदस्यों के बीच सहयोग।

**उत्तर:** (बी)

13. लोकतंत्र का अभ्यास कहाँ किया जाता है:

- (ए) निर्वाचित सदस्य नीतिगत मामले के बारे में एकसमान राय बनाते हैं।
- (बी) विपक्ष सत्तारूढ़ गठबंधन की तुलना में अधिक शक्तिशाली है।
- (ग) जनता के प्रतिनिधि।
- (D) इनमें से कोई नहीं।

**उत्तर:** (बी)

14. भारत में ब्रिटिश शासन के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (ए) यह भारतीय समाज के आधुनिकीकरण के पीछे था।  
(बी) उस अवधि के दौरान भारत को आर्थिक रूप से फायदा हुआ।  
(ग) प्रगति के उद्देश्य से विभिन्न प्रतिष्ठान बनाए गए।  
(D) इनमें से कोई नहीं।

**उत्तर:** (ए)

15. उस दौरान नए वाणिज्यिक वर्ग के सदस्य कौन बने?

- (ए) ब्रिटिश अरस्तू  
(ख) प्रभु और बैरन  
(ग) राजनीतिक व्यक्ति  
(D) व्यापारी और कारीगर

**उत्तर:** (D)